Deen Dayal Upadhyaya Gorakhpur University

(Accredited A++ by NAAC)

University in News on 15 June 2024

Dainik Jagran
Page 05

जहां होगी पीजी की पढ़ाई, वहीं मिलेगी चार वर्षीय डिग्री

गोवि में ही मिलेगी स्नातक आनर्स विद रिसर्च की डिग्री, चौथे वर्ष के पाठ्यक्रम के लिए अलग से आवेदन

जागरण संवाददाता, गोरखपुर: दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में इस सत्र से चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम लागू करने के लिए विद्या परिषद से मंजूरी मिल गई है। विद्यार्थियों को चार साल की पढ़ाई पूरी करने के बाद आनर्स डिग्री मिलेगी लेकिन यह केवल उन्हीं महाविद्यालयों में जहां पर परास्नातक (पीजी) की पढ़ाई होती है। जहां पीजी पाठ्यक्रम का संचालन नहीं होगा, वहां विद्यार्थियों को आनर्स डिग्री नहीं मिलेगी। जिन महाविद्यालयों में परास्नातक पाठ्यक्रम संचालित करने को मंजूरी नहीं है उन्हें चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम आनर्स की डिग्री के लिए विश्वविद्यालय से अनुमति लेनी पड़ेगी। जिन महाविद्यालयों में रिसर्च सेंटर न होना है।

गोरखपुर विश्वविद्यालय से मिली जानकारी के अनुसार ऐसे महाविद्यालय जहां पीजी नहीं है वहां के छात्रों को तीन साल बाद स्नातक की डिग्री दे दी जाएगी। यदि किसी विद्यार्थी ने तीन वर्ष में सात सीजीपीए से ऊपर ग्रेड प्राप्त किया है वो वह चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम आनर्स के साथ ही उसके पास दो वर्ष के परास्नातक पाठ्यक्रम में प्रवेश लेने का भी विकल्प होगा।

विद्यार्थियों को चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम में मल्टीपल एंट्री और एग्जिट की भी सुविधा मिलेगी। इसके तहत यदि एक वर्ष बाद यदि कोई छात्र दूसरे संस्थान में प्रवेश लेना चाहता है तो उसे मिल जाएगा। इसके साथ ही विश्वविद्यालय भी हर साल मेरिट जारी करेगा, ताकि कालेज के इच्छुक विद्यार्थी विश्वविद्यालय में प्रवेश ले सकें।

कुलपति प्रो. पूनम टंडन के अनुसार चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम को विद्या परिषद से मंजूरी मिल गई है। इसमें यहां अध्ययन करने वाले विद्यार्थियों को मल्टीपल एंट्री और एग्जिट करने का मौका मिलेगा। आनर्स विद रिसर्च की डिग्री केवल विश्वविद्यालय परिसर के ही विद्यार्थियों को मिलेगी।

आवेदन की अंतिम तिथि आज, दो दिन मिलेगा सुधार का मौका

- 17 जून तक अपने आवेदन में सुधार कर सकते हैं अभ्यर्थी

गोरखपुर : दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में स्नातक, परास्नातक एवं शोध पात्रता परीक्षा-2023 के लिए आवेदन की तिथि शनिवार को समाप्त हो जाएगी। इसके बाद दो दिन तक आवेदन में सुधार का मौका दिया जाएगा। इसमें अभ्यर्थी आवेदन फार्म में त्रुटि सुधार, आवश्यक संशोधन व अपने अद्यतन प्रमाणपत्र अपलोड कर सकेंगे। इस दौरान वे नाम, संवर्ग, पाठ्यक्रम के नाम, वेटेज, मोबाइल नंबर और ईमेल में कोई बदलाव नहीं कर सकेंगे। कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने बताया कि अभ्यर्थी अपने जाति या ईडब्ल्यूएस प्रमाणपत्र को इसी अवधि में अपडेट भी कर सकेंगे। ओबीसी (अन्य पिछड़ा वर्ग) अभ्यर्थियों के लिए तीन वर्ष के भीतर जारी (अर्थात तीन अप्रैल 2021 या उसके बाद निर्गत) प्रमाणपत्र लगाना अनिवार्य है। इसी प्रकार ईडब्ल्यूएस संबंधी वही प्रमाणपत्र मान्य होंगे जो इस वित्तीय वर्ष (एक अप्रैल 2024 को या उसके बाद निर्गत) में जारी होंगे। इस वर्ष की प्रवेश प्रक्रिया में हर स्तर पर अभ्यर्थियों की सुविधा का विशेष रूप से ध्यान रखा गया है। विस्तृत प्रवेश विवरणिका, सुगमतापूर्वक आवेदन एवं एकाधिक आवेदन के लिए आटोपोर्ट सुविधा के चलते आवेदकों को आसानी हुई है। यह प्रयास आगे के चरणों में भी जारी रखा जाएगा। विज्ञप्ति।

Amar Ujala
Page - 07, 09

बीए राजनीति विज्ञान का रिसर्च प्रेजेंटेशन 22 जून को

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में स्नातक छठे सेमेस्टर राजनीति विज्ञान पेपर कोड पीओएल309 का रिसर्च प्रोजेक्ट प्रेजेंटेशन 22 जून को सुबह 10:30 बजे से राजनीति विज्ञान विभाग में संपन्न होगा। विभागाध्यक्ष प्रो. राजेश कुमार सिंह ने कहा कि समस्त छात्र-छात्राएं उक्त तिथि पर अपनी उपस्थिति सुनिश्चित करें। संवाद

प्रवेश के लिए आवेदन की अंतिम तिथि आज

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में स्नातक, परास्नातक एवं शोध पात्रता परीक्षा-2023 के लिए आवेदन प्रक्रिया शनिवार को समाप्त हो जाएगी।

इसके बाद उनको दो दिन तक आवेदन में सुधार का मौका दिया जाएगा। इसमें वे आवेदन फॉर्म में त्रुटि सुधार, आवश्यक संशोधन और अपने अद्यतन प्रमाणपत्र अपलोड कर सकेंगे। हालांकि, इस दौरान वे नाम, संवर्ग, पाठ्यक्रम के नाम, वेटेज, मोबाइल नंबर और ईमेल में कोई बदलाव नहीं करने की इजाजत नहीं होगी।

अभ्यर्थी अपने जाति या ईडब्ल्यूएस प्रमाणपत्र को इसी अवधि में अपडेट भी कर सकेंगे। ओबीसी (अन्य पिछड़ा वर्ग) अभ्यर्थियों के लिए तीन वर्ष के भीतर जारी (अर्थात तीन अप्रैल 2021 या उसके बाद निर्गत) प्रमाणपत्र लगाना अनिवार्य है। इसी प्रकार ईडब्ल्यूएस संबंधी वही प्रमाणपत्र मान्य होंगे जो इस वित्तीय वर्ष (एक अप्रैल 2024 को या उसके बाद निर्गत) में जारी होंगे। संवाद

Hindustan
Page - 07

एनईपी के प्रावधानों के तहत बदलाव, विद्या परिषद ने दी स्वीकृति

सिर्फ विवि में ही छात्र कर सकेंगे ऑनर्स विद रिसर्च

डीडीयू

गोरखपुर, निज संवाददाता। गोरखपुर विश्वविद्यालय में एनईपी के प्रावधान के तहत कई बदलाव किए गए हैं। चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम में अंतिम वर्ष ऑनर्स होगा। ऑनर्स विद रिसर्च वही विद्यार्थी कर पाएंगे जिनका यूजी के शुरुआती तीन वर्षों के अंकों का जोड़ 7.5 सीजीपीए या उससे अधिक होगा। ऑनर्स विद रिसर्च की पढ़ाई सिर्फ विश्वविद्यालय केंद्र पर ही होगी। विद्या परिषद ने इसे स्वीकृति दे दी है।

डीडीयू में सत्र 2024-25 से चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम शुरू किया जा रहा है। इसमें शुरुआती तीन वर्ष स्नातक होगा, जबकि चौथा वर्ष स्नातक ऑनर्स होगा। जो विद्यार्थी यूजी के तीन वर्षों में 7.5 सीजीपीए से कम पाएंगे, वे सिर्फ ऑनर्स के लिए अर्ह होंगे। छात्रों को चार वर्ष की पढ़ाई पूरा करने के बाद ऑनर्स की डिग्री मिलेगी।

चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम पूर्ण करने के बाद वे छात्र एक वर्ष में ही परास्नातक कर सकेंगे। जिन कॉलेजों में परास्नातक की पढ़ाई नहीं होती, वहां स्नातक तीन वर्ष का ही होगा। वहां के विद्यार्थियों को ऑनर्स की डिग्री के लिए विश्वविद्यालय से अनुमति लेनी पड़ेगी। ऐसे विद्यार्थी दो वर्षीय परास्नातक पाठ्यक्रम में भी प्रवेश के लिए अर्ह होंगे।

मल्टीपल एंट्री और एग्जिट

चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम में मल्टीपल एंट्री और एग्जिट सुविधा भी दी गई है। यानी एक वर्ष बाद यदि कोई छात्र संस्थान बदलना चाहता है तो बदल सकता है। विवि भी हर साल मेरिट लिस्ट जारी करेगा, ताकि विद्यार्थी लेटरल एंट्री से यहां प्रवेश ले सकें।

66 विवि में संसाधनों से युक्त रिसर्च सेंटर है, इसलिए ऑनर्स विद रिसर्च की पढ़ाई सिर्फ यहीं होगी। कॉलेजों में ऑनर्स डिग्री दी जाएगी।
– प्रो. पूनम टंडन, कुलपति, डीडीयू

भोजपुरी एसोसिएशन ऑफ इंडिया के सदस्यों ने यूनिवर्सिटी ऑफ फीनिक्स के वाइस प्रेसिडेंट गोरखपुर निवासी अविनाश त्रिपाठी को सम्मानित किया।

आवेदन की अंतिम तिथि आज, दो दिन सुधार का मौका

गोरखपुर। डीडीयू में शोध पात्रता परीक्षा-2023 और स्नातक व परास्नातक सत्र 2024-25 में प्रवेश के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 15 जून को समाप्त हो रही है। इसके बाद 16 और 17 को आवेदन में सुधार का मौका दिया जाएगा। आवेदन फॉर्म में त्रुटि सुधार, संशोधन और अपने अद्यतन प्रमाणपत्र अपलोड कर सकेंगे।

प्रवेश प्रकोष्ठ के समन्वयक प्रो. हर्ष सिन्हा ने बताया कि अभ्यर्थी नाम, संवर्ग, पाठ्यक्रम के नाम, वेटेज, मोबाइल नंबर और ईमेल में कोई बदलाव नहीं कर सकेंगे। अभ्यर्थी अपने जाति या ईडब्ल्यूएस प्रमाणपत्र को इसी अवधि में अपडेट कर सकेंगे।

27 जून से प्रवेश परीक्षा : गोरखपुर विश्वविद्यालय में 27 जून से प्रवेश परीक्षा होनी है। आवेदन की तिथि नजदीक आने के साथ समय सारिणी करीब तैयार कर ली गई है। प्रवेश से एक सप्ताह पहले अभ्यर्थी प्रवेश पत्र डाउनलोड कर सकेंगे।

बीए राजनीति विज्ञान का शोध प्रस्तुतीकरण 22 को होगा

गोरखपुर: दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में स्नातक छठे सेमेस्टर राजनीति विज्ञान पेपर कोड पीओएल 309 का शोध प्रोजेक्ट प्रस्तुतीकरण 22 जून को सुबह 10:30 बजे से राजनीति विज्ञान विभाग में होगा। विभागाध्यक्ष प्रो.राजेश कुमार सिंह ने कहा कि समस्त छात्र-छात्राएं उक्त तिथि पर अपनी उपस्थिति सुनिश्चित करें।-विज्ञप्ति

Amar Ujala Select
Pape - 04, 05

डीडीयू : जिस कॉलेज में पीजी की पढ़ाई वहीं मिलेगी चार वर्षीय डिग्री

इस सत्र से चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम लागू होगा, चार साल की पढ़ाई पूरी करने के बाद ऑनर्स डिग्री मिलेगी

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में इस सत्र से चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम लागू होगा। इसे विद्या परिषद से मंजूरी मिल गई है। अब विद्यार्थियों को चार साल की पढ़ाई पूरी करने के बाद ऑनर्स डिग्री मिलेगी लेकिन यह केवल उन्हीं कॉलेजों में होगा जहां पर परास्नातक की पढ़ाई होती है। जिस कॉलेज में पीजी नहीं होगा वहां विद्यार्थियों को ऑनर्स डिग्री नहीं मिलेगी।

ऑनर्स विद रिसर्च की बात करें तो यह केवल विश्वविद्यालय के छात्रों को मिलेगी। क्योंकि विश्वविद्यालय के अलावा किसी भी कॉलेज में रिसर्च सेंटर नहीं है। जिन कॉलेजों में परास्नातक पाठ्यक्रम संचालित करने को मंजूरी नहीं है उन्हें चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम ऑनर्स की डिग्री के लिए विश्वविद्यालय से अनुमति लेनी पड़ेगी।

दो वर्ष का कर सकेंगे परास्नातक : जिन कॉलेजों में पीजी नहीं है वहां के छात्रों को तीन साल बाद स्नातक की डिग्री दे दी जाएगी। यदि किसी विद्यार्थी ने तीन वर्ष में सात सीजीपीए से ऊपर ग्रेड प्राप्त किया है वो वह चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम ऑनर्स के साथ रिसर्च की डिग्री के लिए विश्वविद्यालय में प्रवेश ले सकता है। इसके अलावा उनके पास दो वर्ष के परास्नातक पाठ्यक्रम में प्रवेश लेने का भी विकल्प मौजूद रहेगा।

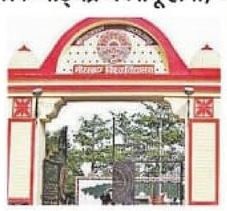

मल्टीपल एंट्री और एग्जिट : चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम में मल्टीपल एंट्री और एग्जिट की सुविधा मिलेगी। एक वर्ष बाद यदि कोई छात्र दूसरे संस्थान में प्रवेश लेना चाहता है तो उसे मिल जाएगा। इसके साथ ही विश्वविद्यालय भी हर साल मेरिट जारी करेगा ताकि कॉलेज के इच्छुक विद्यार्थी विश्वविद्यालय में प्रवेश ले सकें।

सुविधाएं बढ़ाकर दे सकते हैं ऑनर्स डिग्री : विश्वविद्यालय से संबद्ध किसी कॉलेज में यदि पीजी की पढ़ाई नहीं होती है और यदि वह संबंधित कोर्स से जुड़ी पर्याप्त सुविधाएं उपलब्ध करा रहा है तो विश्वविद्यालय उसे चार वर्षीय ऑनर्स स्नातक ऑनर्स के लिए अनुमति दे सकता है। सुविधाओं में स्टाफ और लैब आदि की व्यवस्था शामिल है।

आवेदन की अंतिम तिथि आज, दो दिन सुधार का मौका

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में स्नातक, परास्नातक एवं शोध पात्रता परीक्षा-2023 के लिए आवेदन प्रक्रिया शनिवार को समाप्त हो जाएगी। इसके बाद उनको दो दिन तक आवेदन में सुधार का मौका दिया जाएगा। इसमें वे आवेदन फॉर्म में त्रुटि सुधार, आवश्यक संशोधन और अपने अद्यतन प्रमाणपत्र अपलोड कर सकेंगे। हालांकि, इस दौरान वे नाम, संवर्ग, पाठ्यक्रम के नाम, वेटेज, मोबाइल नंबर और ईमेल में कोई बदलाव नहीं करने की इजाजत नहीं होगी। अभ्यर्थी अपने जाति या ईडब्ल्यूएस प्रमाणपत्र को इसी अवधि में अपडेट भी कर सकेंगे। ओबीसी (अन्य पिछड़ा वर्ग) अभ्यर्थियों के लिए तीन वर्ष के भीतर जारी (अर्थात तीन अप्रैल 2021 या उसके बाद निर्गत) प्रमाणपत्र लगाना अनिवार्य है। इसी प्रकार ईडब्ल्यूएस संबंधी वही प्रमाणपत्र मान्य होंगे जो इस वित्तीय वर्ष (एक अप्रैल 2024 को या उसके बाद निर्गत) में जारी होंगे। कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने बताया कि इस वर्ष की प्रवेश प्रक्रिया में हर स्तर पर अभ्यर्थियों की सुविधा का विशेष रूप से ध्यान रखा गया है। विस्तृत प्रवेश विवरणिका, सुगमतापूर्वक आवेदन एवं एकाधिक आवेदन के लिए ऑटोपोर्ट सुविधा के चलते आवेदकों को आसानी हुई है। यह प्रयास आगे के चरणों में भी जारी रखा जाएगा।

> चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम को विद्या परिषद से मंजूरी मिल गई है। इसमें विद्यार्थियों को मल्टीपल एंट्री और एग्जिट का मौका मिलेगा। ऑनर्स विद रिसर्च की डिग्री केवल विश्वविद्यालय परिसर के ही विद्यार्थियों को मिलेगी।
> – प्रो. पूनम टंडन, कुलपति

बीए राजनीति विज्ञान की शोध प्रस्तुति 22 को

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में स्नातक छठे सेमेस्टर राजनीति विज्ञान पेपर कोड पीओएल309 का रिसर्च प्रोजेक्ट प्रेजेंटेशन 22 जून को सुबह 10:30 बजे से राजनीति विज्ञान विभाग में संपन्न होगा। विभागाध्यक्ष प्रो. राजेश कुमार सिंह ने कहा कि समस्त छात्र-छात्राएं उक्त तिथि पर अपनी उपस्थिति सुनिश्चित करें।